कक्षा : 9

लोकतांत्रिक राजनीति

भाग-१

© BSTBPC
WEB COPY ,NOT TO BE PUBLISHED

(राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् बिहार, पटना द्वारा विकसित)

लोकतांत्रिक राजनीति

भाग-१

कक्षा नवम् हेतु राजनीति विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक

© BSTBPC
WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

सत्यमेव जयते

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पटना द्वारा प्रकाशित

मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत

© BSTBPC
WEB COPY ,NOT TO BE PUBLISHED

राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड,

प्रथम संस्करण-२००८

दिशा-बोध

श्री हसन वारिस, निदेशक (प्रभारी), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्-बिहार
डॉ॰ सैयद अब्दुल मुईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., बिहार
श्री राम तवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष, मानविकी विभाग, एस.सी.ई.आर.टी., बिहार

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति सदस्य

डॉ. आर. के. लाल,	राजनीति विज्ञान, पटना विश्वविद्यालय, पटना।
डॉ. गांधीजी राय,	अवकाश प्राप्त प्राचार्य, महाराजा कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्व-विद्यालय, आरा।
डॉ. परमानन्द सिंह,	स॰ शिक्षक, राजकीय कृत स्टूडेण्ट्स साईंटीफिक उच्च विद्यालय, पटना।
श्री विजय कुमार सिंह,	स॰ शिक्षक एफ्. एन. एस. एकेडेमी, गुलजारबाग, पटना।
श्रीमती शीला कुमारी,	विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, राजकीय महिला महाविद्यालय, गर्दनीबाग, पटना।
डॉ. राकेश रंजन,	व्याख्याता, पटना कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय, पटना
डॉ॰ मुकेश कुमार राय	स्नातकोत्तर शिक्षक, बी.एन. कॉलेजिएट इण्टर स्कूल, पटना।
श्री संजय कुमार सुमन,	स॰ शिक्षक, विद्यापति उच्च विद्यालय, वाजितपुर, समस्तीपुर।

समन्वयक

डॉ॰ रीता राय	व्याख्याता, राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार।

समीक्षा समिति के सदस्य

डॉ॰ (प्रो॰) रणधीर सिंह,	विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर विभाग, राजनीति शास्त्र, ए.एन.कॉलेज, पटना
डॉ॰ (प्रो॰) नील रतन,	ए.एन. सिन्हा, समाज अध्ययन संस्थान, पटना

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

आमुख

यह पुस्तक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2006 के आलोक में विकसित नवीन पाठ्यक्रम 2007 के आधार पर तैयार की गई है। वर्ष 2009 में नये पाठ्यक्रम के आलोक में तैयार यह पुस्तक नवम् वर्ग हेतु लागू होने जा रही है।

इस पुस्तक के विकासक्रम में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि शिक्षार्थियों को स्कूली जीवन के बाहर आस-पास से अनुभवों के साथ जोड़ते हुए विषय-सामग्री से परिचित कराया जाए, क्योंकि राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 ई॰ एवं बिहार पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2008 का मूल उद्देश्य भी यही है कि बच्चों के स्कूली जीवन और स्कूल से बाहर के जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। पुस्तक को विकसित करते समय इस बात पर अधिक बल दिया गया है कि पुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति से दूर ले जाया जाए। बच्चों में सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए यह अति आवश्यक है कि सीखने और सिखाने की प्रक्रिया में भाग लेने हेतु बच्चों को अधिक अवसर उपलब्ध कराये जाएँ। पुस्तक विकासक्रम में इन बातों पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया है।

नवम् वर्ग में शिक्षार्थी के मस्तिष्क का इतना विकास तो हो ही जाता है कि वह लोकतांत्रिक दुनिया की सैर करने के क्रम में लोकतंत्र के कुछ महत्त्वपूर्ण पहलुओं को समझने के प्रयास में सक्षम बन सके। इस स्तर के बच्चों में समझ को परखते हुए कोशिश की गई है कि बच्चे लोकतंत्र के 100 वर्ष के विकास एवं विस्तार की चुनौतियों को समझते हुए आधुनिक परिवेश में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के मूल

WEB COPY © BSTBPC NOT TO BE PUBLISHED

स्वरूप से परिचित हों। साथ ही इस पुस्तक के विकासक्रम में यह कोशिश भी की गई है कि छात्र लोकतंत्र में शासन व्यवस्था के निर्धारण हेतु संवैधानिक स्वरूप के कुछ बुनियादी प्रश्नों को समझने एवं व्याख्या करने में सक्षम हो सकें। साथ ही पुस्तक के विकासक्रम में इस बात पर भी बल दिया गया है कि शिक्षार्थी लोकतांत्रिक राजनीति में चुनावी राजनीति के केवल सैद्धान्तिक ही नहीं अपितु व्यवहारिक व्यवहार को समझते हुए लोकतंत्र की संसदीय संस्थाओं से परिचित हों तथा उसके व्यावहारिक कार्य को समझें। पुस्तक के अन्त में विभिन्न लोकतांत्रिक अधिकारों से छात्रों को परिचित कराने की कोशिश की गई है ताकि छात्र भविष्य में लोकतांत्रिक राजनीति के सहभागी बनने हेतु संवेदनशील रहें।

एस.सी.ई.आर.टी सर्वप्रथम इस पुस्तक के विकास में शामिल विद्वत्जनों के प्रति आभार प्रकट करती है, जिनके सहयोग से यह महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हुआ। साथ ही इस पुस्तक के विकास के लिए बनाई गई पाठ्य विकास समिति के सदस्य डॉ. आर. के. लाल, सेवा निवृत्त प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय, पटना, डॉ. गांधीजी राय, सेवा निवृत्त प्राचार्य, महाराजा कॉलेज, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, डॉ॰ शीला कुमारी, विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, राजकीय महिला महाविद्यालय, गर्दनीबाग, पटना, डॉ. परमानन्द सिंह, सहायक शिक्षक, राजकीय कृत स्टूडेण्टस साईंटीफिक उच्च विद्यालय, कदमकुँआ, पटना, श्री विजय कुमार सिंह, सहायक शिक्षक, एफ्. एन. एस. एकेडेमी, गुलजारबाग, पटना, डॉ. राकेश रंजन, व्याख्याता, पटना कॉलेज, पटना विश्वविद्यालय, पटना, डॉ॰ मुकेश कुमार राय, स्नातकोत्तर शिक्षक, बी.एन. कॉलेजिएट इण्टर स्कूल, पटना, श्री संजय कुमार सुमन, सहायक शिक्षक, विद्यापति उच्च विद्यालय, वाजितपुर, समस्तीपुर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करती है। एन.सी.ई.आर.टी. के प्रति हम विशेष आभार व्यक्त करते हैं क्योंकि इस पुस्तक को तैयार करने के क्रम में एन.सी.ई.आर.टी. ने नवम् वर्ग के लिए निर्धारित

© BSTBPC WEB COPY NOT TO BE PUBLISHED

पुस्तक के कई अंशों एवं महत्त्वपूर्ण बिन्दुओं का सहारा लिया गया है। हम श्री राम तवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान एवं अन्य सहयोगियों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनके प्रयत्न से तत्परतापूर्वक निर्धारित कार्य सम्पन्न हुआ।

इस पुस्तक के विकासकार्य को अत्याल्प समय तथा शीघ्रता में तैयार किया गया है। संभव है कहीं-कही कुछ त्रुटियाँ रह गयी हों, जिन्हें विद्वत्जनों के सुझाव से अगले संस्करण में सुधारने का प्रयास किया जाएगा।

हम विशेष रूप से डॉ॰ सैयद अब्दुल मुईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, एस.सी.ई.आर.टी. के प्रति आभार व्यक्त करते हैं जिनके मार्गदर्शन में इस महती कार्य को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराया गया। शब्दांकन, प्रूफ संशोधन एवं भाषा-परिमार्जन में डॉ॰ सतीशराज पुष्करणा का महत्त्वपूर्ण सहयोग रहा है, उनके प्रति भी हम आभार व्यक्त करते हैं। हम संकाय के उन सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों को धन्यवाद देते हैं जिनकी एकनिष्ठ सक्रियता ने कार्य को सुगम बना दिया।

(हसन वारिस)
निदेशक (प्रभारी)
राज्य शिक्षा-शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
पटना-800006

© BSTBPC
WEB COPY, NOT TO BE PUBLISHED

अनुक्रमणिका

अध्याय	पृष्ठ संख्या
1. लोकतंत्र का क्रमिक विकास	1 से 22
2. लोकतंत्र क्या और क्यों?	23 से 43
3. संविधान निर्माण	44 से 69
4. चुनावी राजनीति	70 से 96
5. संसदीय लोकतंत्र की संस्थाएँ	97 से 132
6. लोकतांत्रिक अधिकार	133 से 155

© BSTBPC WEB COPY .NOT TO BE PUBLISHED